न्यूज़लेटर

28 फरवरी, 2026

प्रधानमंत्री समझौता कर चुके हैं

संसदीय इतिहास में पहली बार विपक्ष के नेता को बजट सत्र के दौरान राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने का अवसर नहीं दिया गया।

क्यों?

क्योंकि राहुल गांधी ने ऐसे सवाल उठाए जिन्हें सरकार देश तक पहुंचने नहीं देना चाहती। चीन के साथ तनाव पूर्ण स्थिति के दौरान प्रधानमंत्री ने अपनी जिम्मेदारी क्यों छोड़ी? भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में भारत के हितों को क्यों बेचा गया?

संसद वह जगह है जहां सवालों के जवाब दिए जाने चाहिए। इसके विपरीत सरकार ने विपक्ष को चुप कराने की कोशिश की।

प्रधानमंत्री किस बात से डर रहे हैं?

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में भारत का भविष्य बेचा गया

राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने एक अनुचित समझौता स्वीकार कर 1.5 अरब भारतीयों का भविष्य गिरवी रख दिया। **उन्होंने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि भारत की सबसे मूल्यवान संपत्तियों में से एक – भारतीयों का डेटा विदेशी कंपनियों के हवाले किया जा रहा है।** राहुल गांधी ने कपड़ा उद्योग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर इस समझौते के असमान प्रभाव को भी रेखांकित किया, जहां भारतीय निर्यात पर 18% शुल्क लगता है जबकि बांग्लादेश जैसे प्रतिस्पर्धियों को शून्य शुल्क की सुविधा मिलती है। उनका कहना था कि अगर INDIA की सरकार होती तो बराबरी की शर्तों पर बातचीत होती और भारत के लिए बेहतर सौदा होता।

संसद में राहुल गांधी का भाषण देखें।

हमारे किसानों के साथ विश्वासघात

राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के माध्यम से किसानों के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि पहले से ही महंगाई, बढ़ती लागत और एमएसपी को लेकर अनिश्चितता से जूझ रहे किसानों को अब भारी सब्सिडी और आधुनिक मशीनों से लैस विदेशी फसलों के साथ मुकाबले में धकेला जा रहा है। **उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे समझौते भारत की कृषि संप्रभुता को कमजोर कर सकते हैं।** राहुल गांधी ने किसानों को संसद आने का न्योता दिया और कहा कि वह उनके हक की लड़ाई जारी रखेंगे।

किसानों के साथ उनकी बातचीत यहां देखें।

भाजपा पर शिकंजा

राहुल गांधी ने कहा कि भारत को एक अनुचित व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया क्योंकि प्रधानमंत्री के हाथ बंधे हुए थे। **उन्होंने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति को मालूम था कि प्रधानमंत्री को आसानी से दबाव में लाया जा सकता है, क्योंकि प्रधानमंत्री, हरदीप पुरी और अनिल अंबानी के नाम एप्स्टीन फाइलों में शामिल थे, जो उन्हें एक घृणित बाल-अपराधी से जोड़ते हैं।** राहुल गांधी ने यह भी रेखांकित किया कि अमेरिका में गौतम अडानी के खिलाफ चल रहे मामलों ने भी प्रधानमंत्री मोदी पर दबाव डाला कि वे इस समझौते को स्वीकार करें।

वीडियो यहां देखें

सच बोलने पर आवाज़ दबा दी गई

राहुल गांधी ने संसद में भाषण देते हुए उल्लेख किया कि पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे ने लिखा था कि जब चीनी सेना ने हमारी सीमा में घुसपैठ करी, तब सेना प्रमुख को प्रतीक्षा करने के लिए बाध्य किया गया। **उन्होंने बताया कि जब निर्णय करने का समय आया, तो प्रधानमंत्री ने केवल यह कहा, "जो उचित समझो वो करो"।** सीधे शब्दों में कहें तो, भारत की सुरक्षा के लिए एक गंभीर संकट के समय में मोदी जी ने राजनीतिक ज़िम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। राहुल गांधी ने कहा कि जब उन्होंने यह बताने की कोशिश की कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा से कैसे समझौता किया है, तब स्पीकर और सरकार द्वारा उन्हें सच कहने से रोका गया।

भाषण यहां देखें

झलकियां

सिंगरौली, मध्यप्रदेश के आदिवासी समुदाय की चिंताओं को सुना जिनके जंगलों को अदाणी समूह द्वारा नष्ट किया जा रहा है।

गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा, न्यायसंगत आय और श्रम की गरिमा की लड़ाई में उनके साथ खड़ा हूं।

सरकार द्वारा पूर्व सैनिकों की स्वास्थ्य योजना में की गई धनराशि कटौती पर पूर्व सैनिकों से बातचीत।

पहचान, उद्देश्य और चुनौतियों पर एनआरआई जेन ज़ी छात्रों के साथ सार्थक संवाद।

रामचेत जी की कला और हस्तकौशल की विरासत को उनके परिवार के साथ सम्मानपूर्वक नमन।

दिल्ली में उत्तर-पूर्व भारत की विविध और समृद्ध संगीत परंपरा का उत्सव मनाया।

कोटद्वार, उत्तराखंड के मोहम्मद दीपक और विजय रावत से मुलाकात, जिनका साहस हमें यह याद दिलाता है कि इंसानियत हमेशा नफ़रत से बड़ी होती है।

देशभर के लोगों के हज़ारों संदेश पढ़ते हुए महसूस किया कि कैसे वायु प्रदूषण उनपर गंभीर प्रभाव डाल रहा है।

एआई समिट में इंडियन यूथ कांग्रेस के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन पर सरकार द्वारा की गई कार्यवाही की आलोचना।

न्यूज़लेटर को सबस्क्राइब करने के लिए यहां क्लिक करें